मानव - विकास

वृद्धि	विकास
श्यामपुर की जनसंख्या 1 लाख → 2 लाख	श्यामपुर में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोड़ सुविधाओं की वजह से लोगों के जीवन-स्तर में सुधार

जनसंख्या में वृद्धि

मूलभूत सेवाएं नहीं बढ़ी ↓ जीवन-स्तर, अन्य विशेषताएं पहले जैसी ही ↓ विकासहीन वृद्धि	मूलभूत सेवाएं बढ़ी ↓ जीवन-स्तर, अन्य विशेषताओं में सकारात्मक बदलाव ↓ विकासयुक्त वृद्धि

वृद्धि

- Chapter 1 और Chapter 2 शिक्षक द्वारा Complete करवा दिया जाना।
- उम्र के साथ ऊंचाई और वजन बढना

विकास

- Chapter 1 और Chapter 2 समय में आना और उन्हें आत्मसात करना।
- उम्र के साथ ऊंचाई, वजन तथा समझ (I.Q) भी बढना

वृद्धि (Growth)

- समय के साथ परिवर्तन
- मात्रात्मक परिवर्तन
- मापन
- मूल्य निरपेक्ष (without comparison)
- + ve या -ve दोनों
- सीमित अर्थ

विकास (Development)

- समय के साथ परिवर्तन
- गुणात्मक परिवर्तन
- अनुभव
- मूल्य सापेक्ष (with comparison)
- + ve (केवल)
- व्यापक अर्थ

पहले (1980-1990 से पहले)

- किसी देश के विकास का स्तर नापने का आधार → केवल आर्थिक वृद्धि
- जितनी बड़ी अर्थव्यवस्था → उतना विकसित देश

लेकिन,

ऐसी वृद्धि से लोगों के जीवन में सुधार नहीं आया

↓

इसलिए, नए विचारों का जन्म

विकास का केन्द्र बिन्दु - मानव

मानव विकास की अवधारणा

प्रतिपादक	सहयोगी
	
डॉ. महबूब उल हक (पाकिस्तान)	प्रो. अमर्त्य सेन (भारत)
	
↓	↓
विकल्पों में वृद्धि	स्वतंत्रता में वृद्धि
विकल्प	
स्थिर X	परतंत्रता में कमी
परिवर्तनशील ✓	

लोगों के जीवन में सुधार लाने हेतु

विकास का मूल उद्देश्य

↓

ऐसी दशाएं उत्पन्न करना

जिनमें लोग सार्थक-जीवन बिता सके

सार्थक जीवन

लम्बी आयु के साथ (स्वस्थ)

उद्देश्यपूर्ण जीवन (विवेक/बुद्धि का विकास) (उद्देश्य पूरा करने में स्वतंत्र)

बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं





सीमित विकल्प







विकल्पों में वृद्धि

मानव विकास के केन्द्र बिन्दु/महत्वपूर्ण पक्ष

LET'S LEARN TOGETHER



शिक्षा



स्वास्थ्य

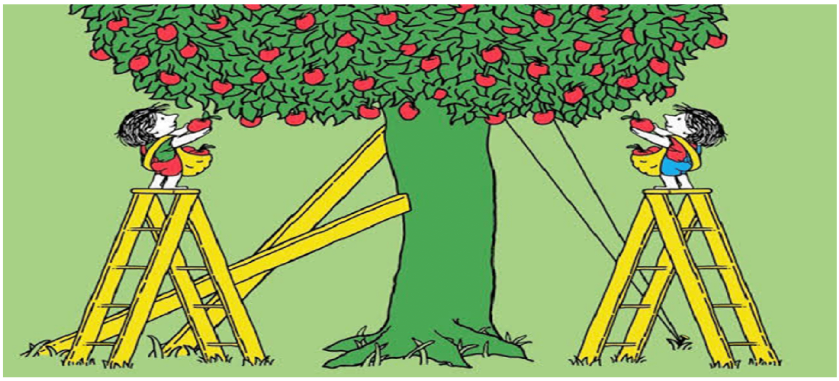

संसाधनों तक पहुंच

1. शिक्षा - ज्ञान प्राप्त करना
2. स्वास्थ्य - लम्बा व स्वस्थ जीवन
3. संसाधनों तक पहुंच - पर्याप्त साधन

शिक्षा, स्वास्थ्य, संसाधनों तक पहुंच में क्षमताओं का निर्माण

↓

विकल्पों में वृद्धि

↓

स्वतंत्रता से विकल्पों का चुनाव

गरीबी, सामाजिक भेदभाव,
संस्थाओं की अक्षमता आदि

↓

संस्थाओं की अक्षमता आदि

↓

शिक्षा प्राप्ति के योग्य होने,
स्वस्थ व लम्बा जीवन जीने,
एक अच्छा जीवन जीने के
साधनों को प्राप्त करने में
(बाधा)

↓

आधारभूत विकल्पों को तय
करने की क्षमता व स्वतंत्रता नहीं

LET'S LEARN TOGETHER

उदाहरण

1. अशिक्षा:- डॉक्टर/ इंजीनियर बनने का विकल्प सीमित
2. गरीबी:- बीमारी के इलाज के लिए चिकित्सा/उपचार करवाने का विकल्प सीमित

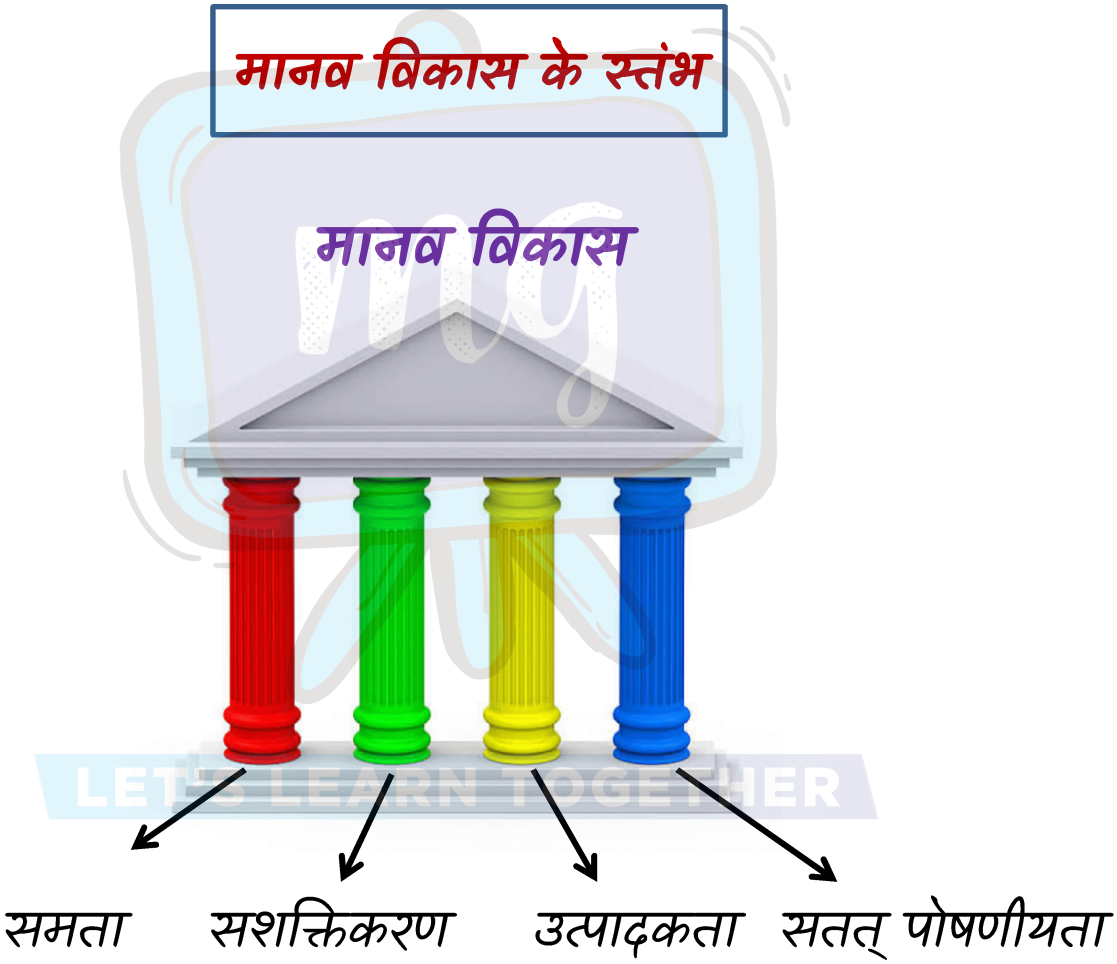

I. समता (समान अवसर)

- प्रत्येक व्यक्ति को उपलब्ध अवसरों के लिए समान पहुंच की व्यवस्था करना।
- अवसरों की उपलब्धता में लिंग, आय, जाति आदि के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए।

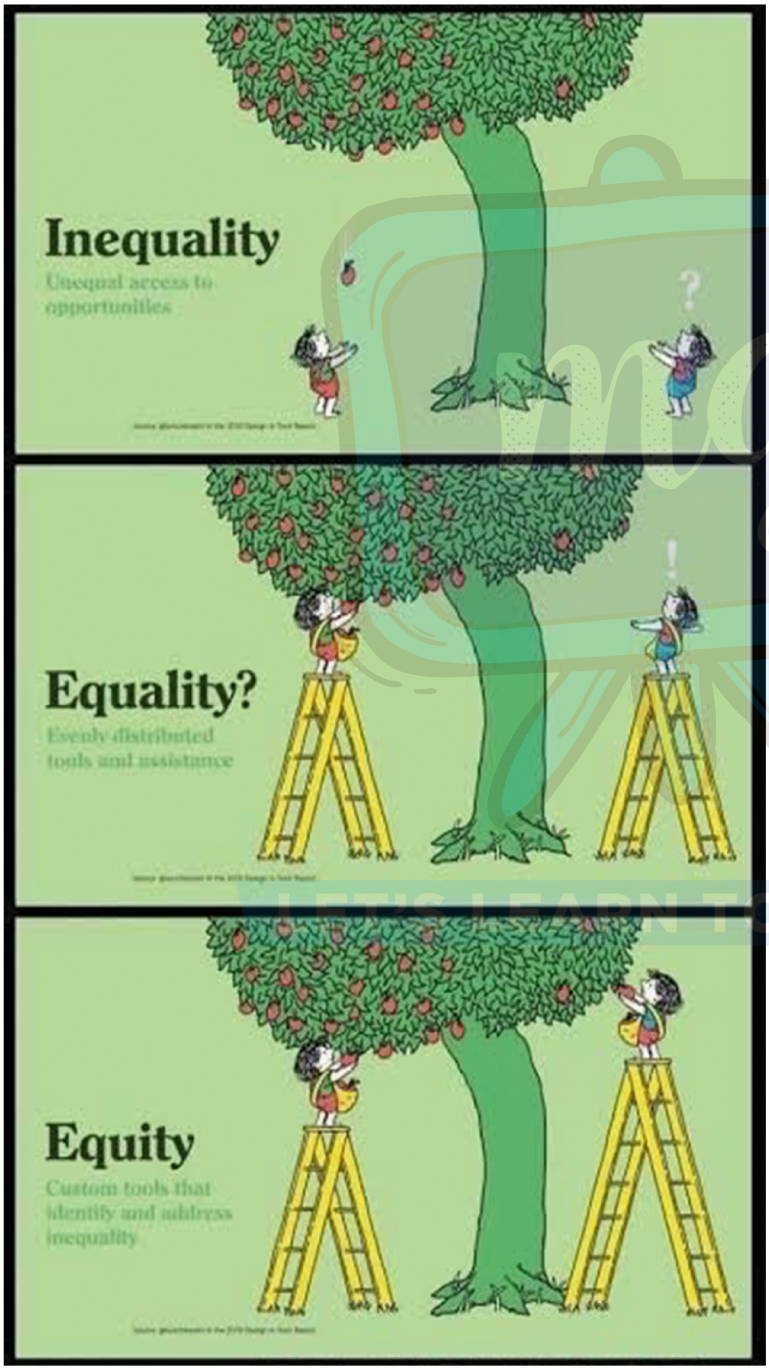

→ असमानता

→ समानता

→ समता

उदाहरण:-

स्कूल से ड्रॉप - आउट बच्चों की संख्या

↓

वर्गों के आधार पर छटनी

↓

(महिलाएं: सामाजिक/आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग ज्यादा)

↓

शिक्षा से वंचित

↓

विकल्प सीमित

2. सशक्तिकरण (अपने विकल्प चुनने की शक्ति)

- क्षमता या स्वतंत्रता बढ़ेगी, सशक्तिकरण होगा
- सुशासन व लोक कल्याणकारी नीतियों द्वारा

(सामाजिक व आर्थिक रूप से कमजोर लोगों का सशक्तिकरण)

3. उत्पादकता (लोगों की कार्य क्षमता को बढ़ाना)

- किसी देश के लोग ही उसके वास्तविक धन होते हैं
- अच्छी शिक्षा व बेहतर चिकित्सा सुविधा द्वारा लोगों की कार्य क्षमता बढ़ायी जानी चाहिए।

५. सतत् - पोषणीयता

(अवसरों/संसाधनों की उपलब्धता में निरंतरता)

प्रत्येक पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वो संसाधनों का उपयोग इस प्रकार करें कि आने वाली पीढ़ी को समान अवसर मिलें।

उदाहरणः-

एक समुदाय द्वारा अपनी बालिकाओं को स्कूल नहीं भेजना

↓

युवा होने पर विकल्पों में सीमितता

↓

जीवन के अन्य पक्षों पर भी प्रभाव

अतः- प्रत्येक पीढ़ी को अपनी भावी पीढ़ियों के लिए अवसरों/संसाधनों/विकल्पों की उपलब्धता को सुनिश्चित करना चाहिए।

LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास के उपागम

(मानव विकास को देखने का ढंग)

5. महत्वपूर्ण उपागम

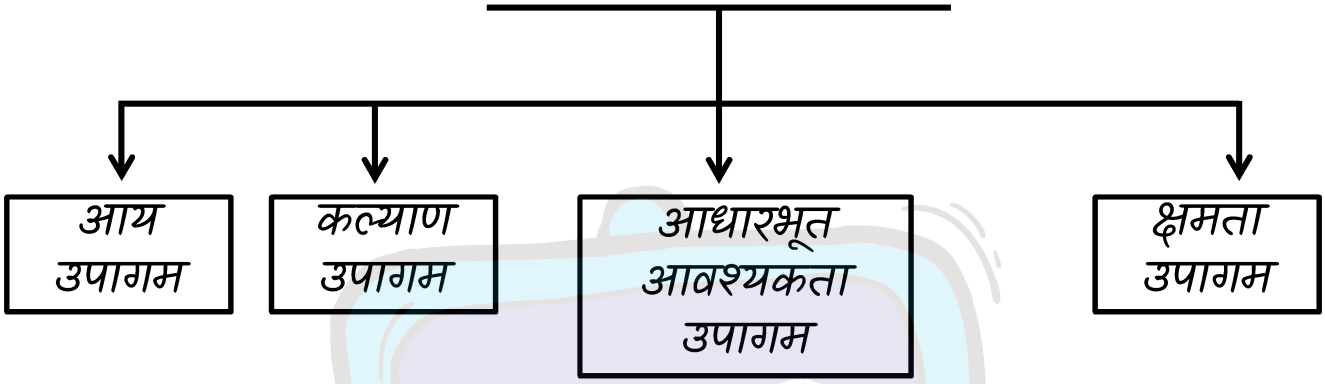

1. आय उपागम :-

आय ↑ ⇒ मानव विकास ↑

आय का स्तर ↑

↓

व्यक्ति द्वारा भोगी जा रही स्वतंत्रता का स्तर ↑

2. कल्याण उपागम :-

मानव का कल्याण ↑⇒ मानव विकास ↑

सरकार

↓

कल्याण पर

(शिक्षा, स्वास्थ्य सामाजिक - सुरक्षा आदि)

↓

अधिकतम व्यय/खर्च

↓

मानव-विकास ↑

मानव ↓

सभी विकासात्मक गतिविधियों का लक्ष्य/लाभार्थी

लोग:- विकास में प्रतिभागी ✗

निष्क्रिय प्राप्तकर्ता ✓

3. आधारभूत-आवश्यकता उपागम

- 6 न्यूनतम आवश्यकताओं की व्यवस्था पर जोर



भोजन



जलापूर्ति



आवास



शिक्षा



स्वास्थ्य



स्वच्छता

5. क्षमता उपागम

शिक्षा स्वास्थ्य आदि के माध्यम से

↓

संसाधनों तक पहुंच में क्षमता बढ़ेगी

↓

मानव विकास

मानव विकास के महत्वपूर्ण पक्ष	मानव विकास के स्तंभ	मानव विकास के उपागम
• शिक्षा	• समता	• आय
• स्वास्थ्य	• सशक्तिकरण	• कल्याण
• साधनों तक पहुंच	• उत्पादकता	• आधारभूत आवश्कयता
	• संतत पोषणीयता	• क्षमता

मानव विकास का मापन

2 सूचकांक

- मानव विकास सूचकांक (HDI)
- मानव गरीबी सूचकांक (HPI)

मानव विकास प्रतिवेदन (HDR)



मानव विकास प्रतिवेदन

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम

- मानव विकास सूचकांक (HDI)
- मानव गरीबी सूचकांक (HPI)

- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा
- प्रतिवर्ष (1990 से)

- HDI और HPI के आधार पर
- मानव विकास के स्तर के अनुसार देशों की रैंकिंग

I. मानव विकास सूचकांक (HDI)

(Human Development Index)

स्वास्थ्य शिक्षा संसाधनों तक पहुंच

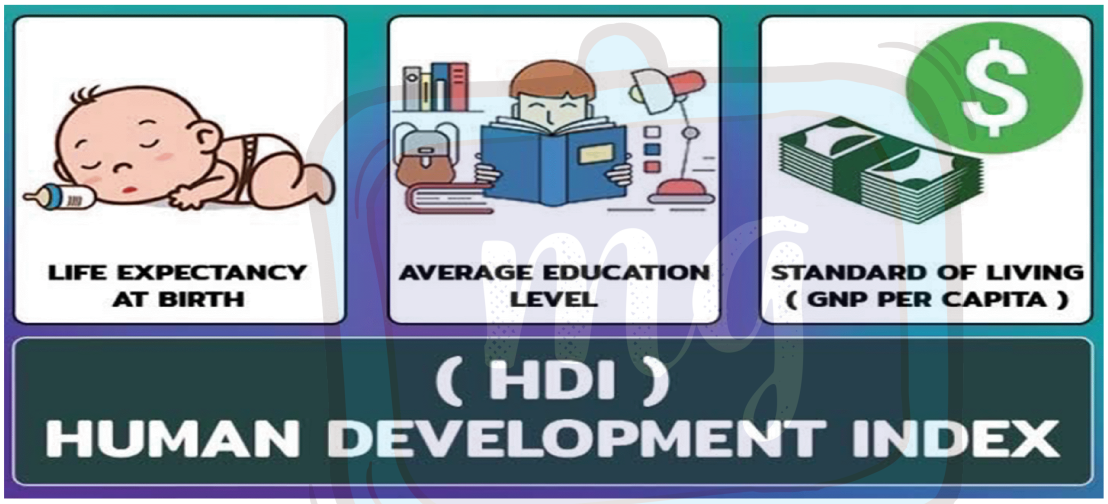

(i) शिक्षा

- प्रौढ़ साक्षरता-दर

  (पढ़-लिख सकने वाले व्यस्कों की संख्या)
- सकल नामांकन अनुपात

  (विद्यालयों में नामांकित बच्चों की संख्या

प्रौढ़ साक्षरता दर↑

व ⇒ शिक्षा तक पहुंच आसान

सकल नामांकन अनुपात ↑

(i i) स्वास्थ्य

- जन्म के समय जीवन – प्रत्याशा

जीवन - प्रत्याशा ↑
↓
लोगों के पास अधिक दीर्घ
व
अधिक स्वस्थ
जीवन जीने के अवसर ↑

(iii) संसाधनों तक पहुंच

- क्रय शक्ति (अमेरिकी डॉलर में)

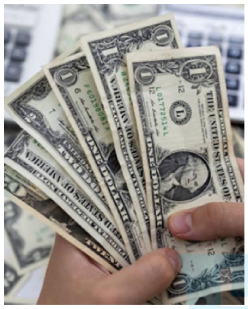

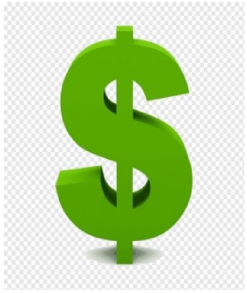

क्रय शक्ति
↓
संसाधनों को चुनने
की शक्ति और ↑ स्वतंत्रता

मानव विकास सूचकांक (HDI)

(HDI)

इन आयामों को दिए

गए भारों का कुल योग

आयाम	भारिता
• शिक्षा	1/3
• स्वास्थ्य	1/3
• साधनों तक पहुंच	1/3

HDI का स्कोर (0 से 1 तक)

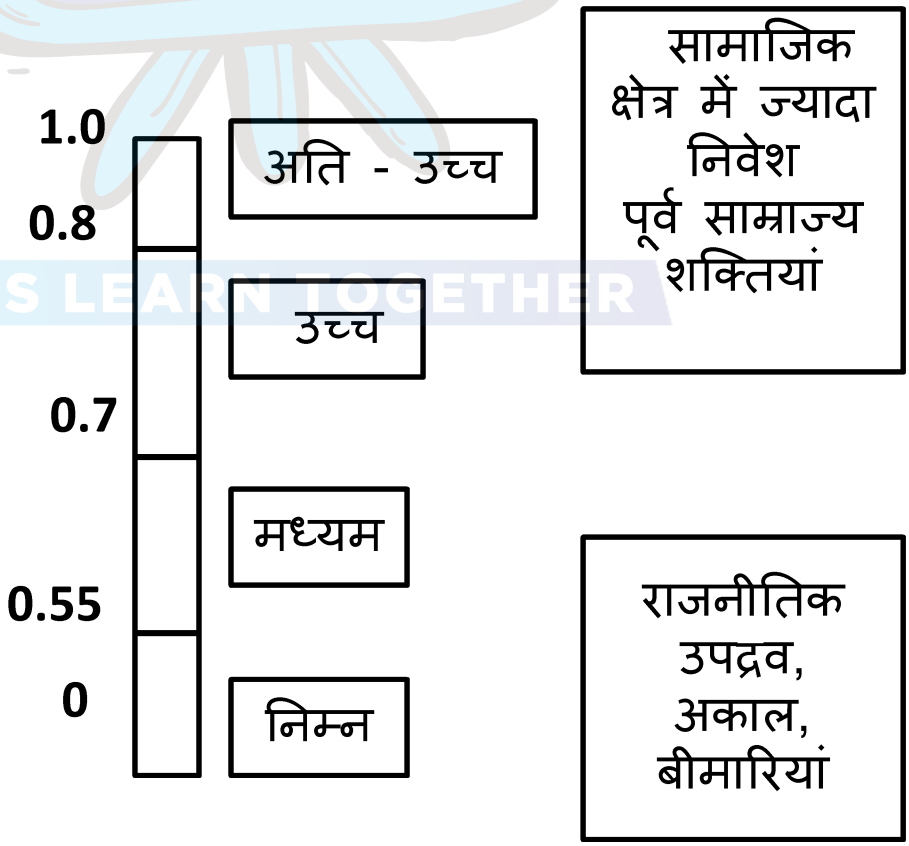

मानव विकास सूचकांक (2022)

शीर्ष 10 देश

1. स्विट्जरलैंड
2. नॉर्वे
3. आइसलैंड
4. हांगकांग (चीन)
5. ऑस्ट्रेलिया
6. डेनमार्क
7. स्वीडन
8. आयरलैंड
9. जर्मनी
10. नीदरलैंड



HDI 2022 - भारत

- 132 वी रैंक (191 देशों में)
- HDI स्कोर - 0.633

2022
131

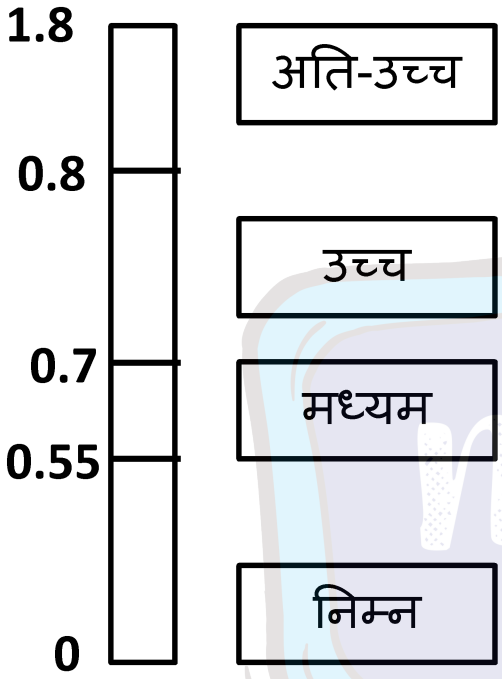



श्रीलंका -72; पाकिस्तान -161

LET'S LEARN TOGETHER

2. मानव गरीबी सूचकांक (HPI)

(Human Poverty Index)

- 40 वर्ष की आयु तक जीवित न रह पाने की संभाव्यता
- प्रौढ़ निरक्षरता दर
- स्वच्छ जल तक पहुंच न रखने वाले लोगों की संख्या
- अल्पभार वाले छोटे बच्चों की संख्या

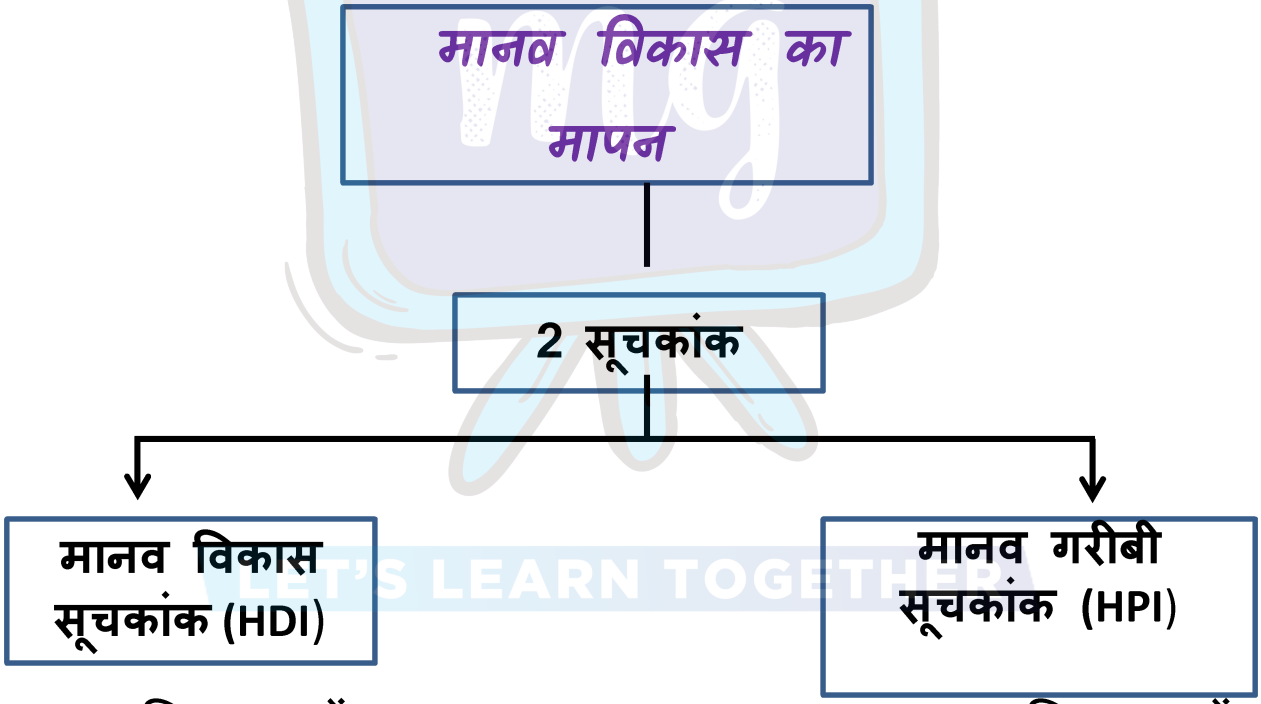

मानव - विकास में प्राप्तियों का मापन

मानव - विकास में कमियों का मापन

मानव - विकास में अंतर्राष्ट्रीय तुलनाएं

- प्रदेशों के आकार व प्रति व्यक्ति आय का मानव विकास से प्रत्यक्ष संबंध नहीं
- कुछ निर्धन-राष्ट्रों की रैंकिंग धनी-राष्ट्रों से ऊंची।

उदाहरण- श्रीलंका, ट्रिनिडाड और टोबैगों का **HDI** भारत से ऊंचा



उदाहरण:-

	प्रति व्यक्ति	मानव-विकास
केरल	कम	ज्यादा
पंजाब, गुजरात	ज्यादा	कम



किसी देश/प्रदेश का मानव-विकास स्तर

- शिक्षा
- स्वास्थ्य
- राजनीतिक परिवेश
- स्वतंत्रता
- सामाजिक क्षेत्र में सरकारी व्यय

✓

- धर्म
- जाति
- समुदाय

X

LET'S LEARN TOGETHER

भूटान







- भूटान (एकमात्र देश)

↓

देश की प्रगति का आधिकारिक माप

= **सकल राष्ट्रीय प्रसन्नता (GNH)**

- प्रसन्नता की कीमत पर भौतिक प्रगति नहीं की जा सकती

- भौतिक प्रगति और प्रौद्योगिकी विकास को अपनाया जा रहा है, परन्तु

↓

- पर्यावरण सांस्कृतिक जीवन, आध्यात्मिक जीवन के पहलुओं पर इनके संभावित नुकसानों को ध्यान में रखकर

भूटान का GNH ,विकास के आध्यात्मिक, गुणात्मक पक्षों को सोचने के लिए प्रोत्साहित करता है।

LET'S LEARN TOGETHER